

ॐ

प. 7.24

पत्रावली पेश हुई उमदपथ उपस्थित वही  
का वाद क्षमा विचार के नहीं होने से ~~अस्ति किम~~  
आत्म ही सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु  
लौटाया जाता ही निर्णय लेर उमलात हुनामा गमा विद्व  
निर्णयक हे लिंगुका गमा शी.फो. कि गमा  
प्रकाश वादा को लौटाया जाका नखर से कम हो।

ॐ

(रियासती)  
PMS